केवल मेडिकल व्यवसायियों के लिए
PHARMA NEWS
Editor- Brejesh Kumar Garg | Monthly News Paper | www.medicaldarpan.com
B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No. BSR 37/2024-2026 RNI UPBIL/2007/27885
Year 18 | Issue 11 | DOP 10 JULY 2025 | Pages 08 | ₹10/- Copy | ✆ 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

वेट लॉस वाली दवाओं की जांच करे डीसीजीआई : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। वेट लॉस वाली दवाओं की जांच करने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने औषधि महानियंत्रक को निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट ने डीसीजीआई को वजन घटाने वाली दवाओं की मंजूरी एवं बिक्री को चुनौती देने वाली याचिका के संबंध में जांच करने को कहा। साथ ही हाईकोर्ट ने इसका समाधान निकालने को भी कहा है। अदालत ने डीसीजीआई को किसी भी अंतिम निर्णय पर पहुंचने से पहले चिकित्सा विशेषज्ञों, हितधारकों व दवा निर्माताओं से परामर्श जारी करने को भी कहा है। मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय एवं न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने उठाए गए मुद्दों को स्वीकार किया है। पीठ ने इस मामले में याचिकाकर्ता को दो सप्ताह में अतिरिक्त तथ्य पेश करने की अनुमति भी दी है। पीठ ने डीसीजीआई को कहा कि वह विस्तृत जांच तीन महीने के भीतर पूरा कर रिपोर्ट पेश करे। एक जनहित याचिका में वजन घटाने वाली दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। कहा गया कि इस तरह के प्रयोग अभी भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नैदानिक परीक्षणों से गुजर रहे हैं। ऐसे में इन दवाओं पर पूरा भरोसा उचित नहीं। याचिका में विशेष रूप से भारत द्वारा जीएलपी-1, आरए दवाओं-सेमाग्लूटाइड, टिरजेपाटाइड व लिराग्लूटाइड को जांच के बिना मंजूरी देने पर चिंता जताई गई है।

डाक पार्सल वैन से प्रतिबंधित कोरेक्स सिरप की तस्करी पकड़ी

सहरसा (बिहार)। प्राप्त समाचार के अनुसार डाक पार्सल वैन से प्रतिबंधित कोरेक्स सिरप की तस्करी करने का मामला पकड़ में आया है। जिले की उत्पाद विभाग टीम ने यह सफलता पाई। रहूआमणि गांव में छापेमारी कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित कोडीनयुक्त नशीली दवा बरामद की है। गुप्त सूचना के आधार पर एक बोलेरो पिकअप (पार्सल वैन) की तलाशी ली गई। इसमें छिपाकर रखी गई कोरेक्स नामक प्रतिबंधित दवा की 4200 बोतलें बरामद की गईं। छापेमारी के दौरान मौके से एक तस्कर सौरभ कुमार उर्फ राजा निवासी सहरसा को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान तस्कर ने स्वीकार किया कि इन दवाओं को अवैध रूप से नशे के कारोबार के लिए अन्य जिलों में भेजा जाना था। उत्पाद निरीक्षक संजीत कुमार ने बताया कि जब्त नशीली दवाओं की बाजार में अनुमानित कीमत 6-7 लाख रुपये है। कार्रवई के दौरान उनके साथ एएसआई अविनाश कुमार, मद्य निषेध सिपाही दिलीप कुमार एवं अन्य उत्पाद विभाग के कर्मी मौजूद थे। फिलहाल गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

डिजिटलीकरण के बीच भारतीय स्वास्थ्य सेवा अस्पष्ट नुस्खों से जूझ रही

बेंगलुरुः इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड (ईएचआर) की शुरुआत और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन जैसी पहलों के बावजूद, भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में हस्तलिखित और अक्सर अस्पष्ट नुस्खे आम बात हैं। निजी चिकित्सा केंद्रों का प्रभुत्व है। एक रिपोर्ट ने संकेत दिया कि भारत में अनुमानित 70,000 अस्पताल हैं, जिनमें से लगभग 45,000 निजी और 25,000 सार्वजनिक क्षेत्र में हैं। फिर भी ई-पर्चे और ईएचआर को अपनाने की गति धीमी है। अधिकांश रोगी संपर्क सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के प्रत्यक्ष दायरे से बाहर होते हैं। निजी अस्पताल बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों से लेकर छोटे क्लीनिकों तक के आकार में व्यापक रूप से भिन्न होते हैं, जिससे ईएचआर और ई-पर्चे का मानकीकृत कार्यान्वयन चुनौतीपूर्ण हो जाता है। कर्नाटक स्टेट डॉक्टर्स हैंडराइटिंग एसोसिएशन के संस्थापक डॉ. शांतागिरी मल्लप्पा ने बताया कि केवल कुछ ही डॉक्टर डिजिटल नुस्खे बनाते हैं। इसके अलावा, गलत खुराक दी जा सकती है, जिसके परिणामस्वरूप ओवरडोज, कम खुराक या विषाक्त प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं। इसलिए, हम इस बात पर जोर दे रहे हैं और जागरूकता पैदा कर रहे हैं कि नुस्खे बड़े अक्षरों में लिखे जाएं। मजबूत नीतिगत ढाँचों के बावजूद, हाथ से लिखे, अक्सर समझ से परे नुस्खों की जमीनी हकीकत नीति और व्यवहार के बीच अंतर को दर्शाती है। इस अंतर को पाटने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश, हितधारक जुड़ाव और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच व्यवहार में बदलाव की आवश्यकता है, उन रोगियों के एक वर्ग ने बताया जो दवा की त्रुटियों के लक्ष्य रहे हैं और बोझिल अनुचित निदान और उपचार प्रोटोकॉल से गुजरे हैं। हमारा अवलो. कन यह है कि अस्पष्ट हस्तलिखित नुस्खे गहरी प्रणाल. ीगत जड़ता का लक्षण है जो सभी आयु समूहों के डॉक्टरों में है। चूंकि ई-प्रिस्क्रिप्शन प्लेटफॉर्म की सामर्थ्य पर सवाल उठाए गए हैं, इसलिए हम निदान, उपचार और दवा को बड़े अक्षरों में लिखना सबसे अच्छा उत्तर मानते हैं, डॉ. मल्लप्पा ने बताया। ई-प्रिस्क्रिप्शन प्लेटफॉर्म की लागत और पहुँच बाधाएँ बनी हुई हैं, खासकर छोटे क्लीनिकों और ग्रामीण चिकित्सकों के लिए। यहाँ एक सरल समाधान स्पष्ट, बड़े अक्षरों में नुस्खे लिखना है। डॉ. मल्लप्पा ने कहा कि इस दृष्टिकोण से पठनीयता में सुधार होता है और इसके लिए किसी अतिरिक्त लागत या प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती है।

फॉर्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष के बंगले पर सीबीआई की रेड

अहमदाबाद। फॉर्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष के बंगले पर सीबीआई की रेड का समाचार मिला है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मोंटू पटेल पर शिकंजा कसा है। सीबीआई ने अहमदाबाद में झुंडाल स्थित बंगले पर छापा मारा है। यह छापेमारी अवैध कॉलेजों और अन्य घोटालों के संबंध में की गई। उन पर दिल्ली स्थित अपने कार्यालय और घर पर रिश्वत लेने का आरोप है। मोंटू पटेल एबीवीपी पैनल के चुनाव लड़कर निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए थे लेकिन अब सीबीआई की छापेमारी ने पटेल की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। डॉ. मोंटू कुमार पटेल गुजरात स्टेट फॉर्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष हैं। इसके साथ उनके पास फॉर्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष का दायित्व भी है। वह बीजेपी के युवा मोर्चा की यूथ डेवलपमेंट सेल के स्टेट इंचार्ज भी हैं। मोंटू पटेल के अहमदाबाद बंगले पर छापेमारी को रिश्वतखोरी के बड़े रैकेट से जोड़कर देखा जा रहा है। पूर्व में भी सीबीआई ने उनके खिलाफ एक्शन लिया था। बताया गया कि फॉर्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया में बड़े पैमाने पर रिश्वतघोरी चल रही थी। कॉलेजों की मान्यता रिन्यूअल के लिए मोटी घूस ली जा रही थी। सीबीआई ने अभी छापेमारी का ब्योरा जारी नहीं किया है। इस कार्रवाई ने गुजरात में फॉर्मेसी काउंसिल से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा है।

Raid

Sirmaur (Himachal Pradesh). Success has been achieved in busting a fake drug racket by raiding it. This action was jointly taken by the officials of Drug Control Administration and Central Drugs Standard Control Organization (CDSCO). The team has raided and busted a racket supplying fake active pharmaceutical ingredients (APIs).Based on the information, the inspection team raided a premises located near Paonta Sahib bus stand in Sirmaur district. This premises is licensed for wholesale drug trade till December 25, 2028. Two types of APIS Thiocolchicoside and Azithromycin were recovered from here.Drug Controller Dr. Manish Kapoor said that the seized drug Thiocolchicoside is commonly used in inflammation and muscle cramps. Azithromycin is a widely used antibiotic. The licensee and owner of the concerned premises could not produce any purchase receipt for the said medicines. Due to this, the team took them into custody. Investigation has revealed that these fake APIs were being supplied from Uttarakhand, from where two more arrests have been made. More revelations are likely in the case.

दवा की खोज के लिए नए रास्ते तलाशें, नए जीवाणु मार्गों और तंत्रों को लक्षित करें: डॉ. अतुल गोगिया

नए संक्रमणरोधी के विकास के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। सर गंगा राम अस्पताल के कंसल्टेंट फिजीशियन डॉ. अतुल गोगिया ने कहा कि हमें दवा की खोज के लिए नए रास्ते तलाशने चाहिए, नए जीवाणु मार्गों और तंत्रों को लक्षित करना चाहिए। नई दवाओं को जीवाणु विषाणु कारकों को लक्षित करने की आवश्यकता है। यह दृष्टिकोण प्रतिरोध विकास के लिए चयनात्मक दबाव को कम कर सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी दवाएँ विकसित करने की आवश्यकता है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाएँ जो संक्रमणों से लड़ने में मदद कर सकती हैं और एंटीबायोटिक दवाओं पर निर्भरता को कम कर सकती हैं। हमें संयोजन उपचारों की एक बार फिर से मृत्यु का प्रमुख कारण बन सकता है। एएमआर अब इन चिकित्सा प्रगति को उलटने की धमकी दे रहा है। उन्होंने कहा कि नए संक्रमणरोधी का विकास सिर्फ वैज्ञानिक अनिवार्यता नहीं है; यह वैश्विक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। नई एंटीबायोटिक दवाओं की मौजूदा पाइपलाइन चिंताजनक रूप से छोटी है। कई मौजूदा दवाएँ अपनी प्रभावशीलता खो रही हैं। मानव और पशु स्वास्थ्य में एंटीबायोटिक दवाओं के अत्यधिक उपयोग और दुरुपयोग ने प्रतिरोध के विकास और प्रसार को बढ़ावा दिया है। बैक्टीरिया, उल्लेखनीय विकासवादी तंत्रों के माध्यम से, इन दवाओं के प्रभावों से बचने के लिए रणनीतियों को

खोज करने की आवश्यकता है। विभिन्न क्रियाविधि वाली कई दवाओं के उपयोग से बैक्टीरिया के लिए प्रतिरोध विकसित करना अधिक कठिन हो सकता है। जीवाणुरोधी गुणों वाली अन्य उद्देश्यों के लिए विकसित मौजूदा दवाओं का पुन: उपयोग करने की संभावना तलाशी जा सकती है, डॉ. गोगिया ने कहा। रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) सबसे गंभीर स्वास्थ्य खतरों में से एक है। दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवियों के बढ़ने से दशकों की चिकित्सा प्रगति को नुकसान पहुँचने का खतरा है, जिससे एक बार उपचार योग्य संक्रमण जीवन के लिए खतरा बन सकते हैं। हम तेजी से एंटीबायोटिक के बाद के युग की ओर बढ़ रहे हैं, जहाँ आम संक्रमण अनुकूलित और विकसित करते हैं। इसमें दवा के लक्ष्य को बदलना, एंटीबायोटिक दवाओं को निष्क्रिय करने वाले एंजाइम का उत्पादन करना और बैक्टीरिया कोशिकाओं में दवा के अवशोषण को कम करना शामिल है। एएमआर के परिणाम दूरगामी हैं। संक्रमण जो कभी एंटीबायोटिक दवाओं से आसानी से ठीक हो जाते थे, जैसे कि निमोनिया, मूत्र पथ के संक्रमण और सेप्सिस, का प्रबंधन करना तेजी से मुश्किल होता जा रहा है। नियमित शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ, अंग प्रत्यारोपण और कैंसर के उपचार, जो सभी संक्रमणों को रोकने और उनका इलाज करने के लिए प्रभावी एंटीबायोटिक दवाओं पर निर्भर करते हैं, तेजी से जोखिम भरे होते जा रहे हैं।

बच्चों में नशीली दवाओं के इस्तेमाल में कोच्चि सबसे आगे, हाईकोर्ट ने समाधान की मांग की

केरल उच्च न्यायालय ने गुरुवार को राज्य सरकार से मौखिक रूप से पूछा कि क्या एर्नाकुलम शहर (पुलिस सीमा) में बच्चों में नशीली दवाओं के उपयोग की बढ़ती समस्या को रोकने के लिए कोई प्रस्तावित कार्य योजना है। मुख्य न्यायाधीश नितिन जामदार और न्यायमूर्ति सी जयचंद्रन की पीठ ने एर्नाकुलम की सुमी जोसेफ - स्कूल जाने वाले बच्चों की मां - और केरल राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (केएलएसए) और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं सहित कई याचिकाओं पर विचार करते हुए यह सवाल किया, जिसमें इस मुद्दे पर प्रभावी राज्य हस्तक्षेप की मांग की गई थी। गृह विभाग के उप सचिव द्वारा दायर हलफनामे के अनुसार - जिसमें 2015 से 2024 तक के आंकड़े शामिल हैं - एर्नाकुलम शहर में ऐसे सबसे अधिक 53 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद कोट्टायम में 21 मामले, कोझीकोड शहर में 12, त्रिशूर ग्रामीण में 9, अलप्पुझा में 7 और इडुक्की में 5 मामले दर्ज किए गए।

इस अवधि के दौरान तिरुवनंतपुरम शहर, कोल्लम शहर, पलक्कड़, मलप्पुरम, कन्नूर (शहर और ग्रामीण) या कासरगोड में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। डेटा और हलफनामे की जांच करने के बाद, खंडपीठ ने टिप्पणी की कि अधिकारियों को अपना तत्काल ध्यान एर्नाकुलम शहर पर केंद्रित करना चाहिए। तदनुसार, अदालत ने कोच्चि शहर के पुलिस आयुक्त को अगली पोस्टिंग तिथि तक - चाहे शारीरिक रूप से या आभासी रूप से - प्रस्तावित कार्य योजना के लिए सुझाव देने के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया। न्यायालय ने हलफनामे में गुणात्मक विश्लेषण की कमी को भी नोट किया, जैसे कि डेटा के पीछे के रुझानों या कारणों की पहचान करने वाले अध्ययन और इसलिए विशेष रूप से एर्नाकुलम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की सहायता मांगी। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता के वकील ने प्रस्तुत किया कि, उनके अपने निष्कर्षों के अनुसार, एर्नाकुलम शहर की स्थिति डेटा से भी अधिक गंभीर है। याचिकाकर्ता ने प्रासंगिक सामग्री एकत्र की है, जिसे कोच्चि शहर के पुलिस आयुक्त को सौंप दिया जाएगा। गृह विभाग के उप सचिव टीएस सिंधु द्वारा दायर हलफनामे में आगे कहा गया है कि एर्नाकुलम ग्रामीण जिला पुलिस प्रमुख के नेतृत्व में ऑपरेशन डी-हंट नामक विशेष अभियान नशीली दवाओं के खतरे से निपटने के लिए पूरे राज्य में जोरदार तरीके से आगे बढ़ रहा है। इस अभियान के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण बरामदगी हुई है और यह एक बहुआयामी रणनीति का हिस्सा है।

अब तक, जनमैत्री बीट अधिकारियों ने 308 नशीली दवाओं या पदार्थ के आदी बच्चों की पहचान की है। इसके अलावा, 341 बच्चों और किशोरों को परामर्श सेवाएँ मिली हैं, 112 ने नशा मुक्ति उपचार लिया है और 142 ने चिरी हेल्पडेस्क के माध्यम से टेलीकंसल्टिंग सेवाओं का उपयोग किया है जो बच्चों की शिकायतों और शिकायतों को संभालती है। हलफनामे में कहा गया है कि इसके अतिरिक्त, पिछले दशक के दौरान 478 बच्चों ने डीडीएडी, डीसीआरसी और कुट्टू परामर्शदाताओं या मनोवैज्ञानिकों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं का लाभ उठाया है।

विवाह पूर्व थैलेसीमिया परीक्षण अनिवार्य करने के लिए जल्द ही नियम बनाए जाएंगे: मंत्री

मुंबई: महाराष्ट्र सरकार जल्द ही इस रोग के उन्मूलन के लिए एक व्यापक पहल के तहत विवाह से पहले लोगों के लिए थैलेसीमिया की जांच अनिवार्य करने के लिए नियम बनाएगी, मंत्री मेघना बोर्डिकर ने राज्य विधानसभा में कहा। प्रश्नकाल के दौरान विधायक विकास ठाकरे द्वारा उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए, सार्वजनिक स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में वर्तमान में लगभग 12,860 थैलेसीमिया रोगी हैं। थैलेसीमिया एक आनुवंशिक रक्त विकार है जो शरीर की हीमोग्लोबिन और स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन की क्षमता को प्रभावित करता है। ठाकरे की मांग पर कि विवाह से पहले थैलेसीमिया परीक्षण अनिवार्य किया जा सकता है, बोर्डिकर ने कहा, हम जल्द ही विवाह से पहले परीक्षण अनिवार्य करने के लिए नियम बनाएंगे। उन्होंने कहा, यह एक गंभीर आनुवंशिक विकार है और अगर समय रहते इसका निदान नहीं किया गया तो यह अगली पीढ़ी में भी फैल सकता है। हमने परभणी में पायलट प्रोजेक्ट के साथ थैलेसीमिया उन्मूलन अभियान शुरू किया है, जिसे अब पूरे राज्य में विस्तारित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि हर जिले में थैलेसीमिया उपचार केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मंत्री ने सदन को यह भी बताया कि कैंसर डायग्नोस्टिक वैन की खरीद में कथित भ्रष्टाचार की जांच स्वास्थ्य विभाग के आयुक्त द्वारा की जा रही है। स्पीकर राहुल नार्वेकर ने निर्देश दिया कि जांच रिपोर्ट को मौजूदा सत्र के खत्म होने से पहले विधानसभा में पेश किया जाए। मुख्य सवाल शिवसेना विधायक भास्कर जाधव ने उठाया, जिन्होंने आरोप लगाया कि वैन दोगुनी कीमत पर खरीदी गईं। कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैंसर डायग्नोस्टिक वैन की खरीद में अनियमित. ताओं का आरोप लगाया और मांग की कि जांच रिपोर्ट चालू सत्र के खत्म होने से पहले विधानसभा में पेश की जाए।

हार्ट अटैक से मौत में कोविड वैक्सीन का संबंध नहीं

नई दिल्ली। प्राप्त समाचार के अनुसार हार्ट अटैक से होने वाली मौतों से कोविड वैक्सीन का कोई संबंध नहीं है। यह दावा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) ने शोध के आधार पर किया है। दोनों संस्थानों के रिसर्च से पुष्टि हुई है कि भारत में कोविड-19 के टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं। इनमें गंभीर दुष्प्रभावों के मामले बहुत कम देखने को मिलते हैं। हार्ट अटैक से मौत पर कोरोना टीकों का कोई संबंध नहीं है। बताया गया कि हार्ट अटैक से मौत के कई कारण हो सकते हैं। इनमें आनुवंशिकी, जीवनशैली, पहले से मौजूद बीमा. रियां और कोविड के बाद की जटिलताएं शामिल हैं। आईसीएमआर और एनसीडीसी ने 18 से 45 साल के बीच के लोगों में हार्ट अटैक से मौतों के पीछे कारणों पर शोध किया गया। साबित हुआ है कि कोविड-19 टीकाकरण से युवा वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों का जोखिम नहीं बढ़ता है।

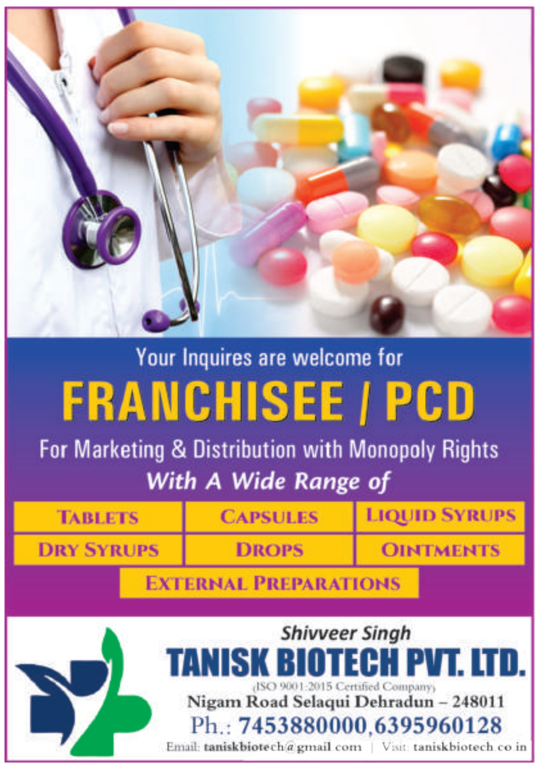

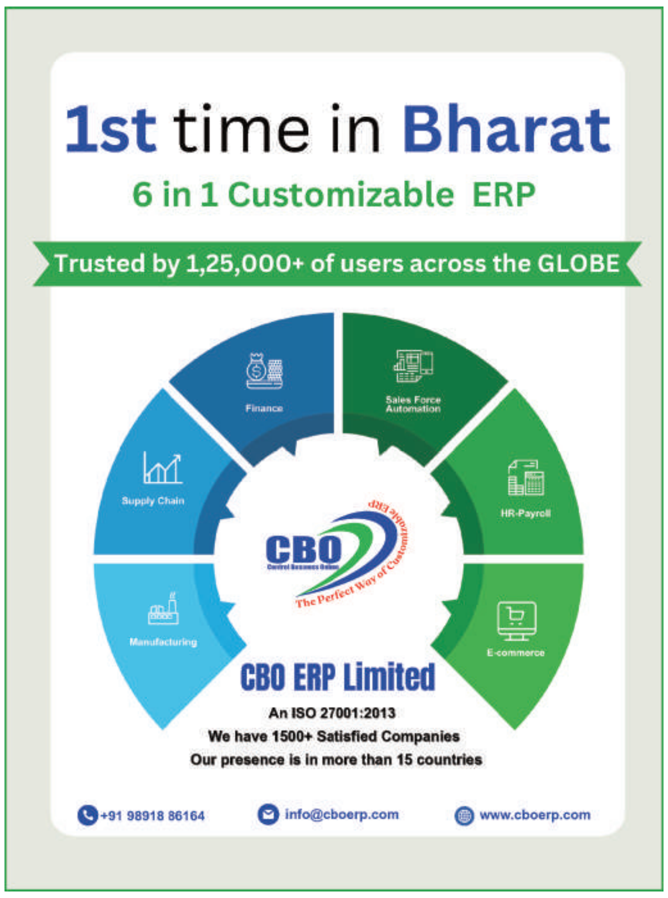

पीसीआई ने समन्वय में सुधार के लिए संस्थानों को नोडल अधिकारी और छात्र राजदूत नियुक्त करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली: फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने देश के सभी फार्मेसी संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे विभिन्न मामलों पर काउंसिल के साथ समन्वय करने, संस्थानों में पीसीआई की पहलों के समन्वय और प्रभावी कार्यान्वयन में सुधार करने में मदद करने के लिए अपने संस्थान में एक नोडल अधिकारी और एक छात्र राजदूत नियुक्त करें। नोडल अधिकारियों की नियुक्ति फार्मेसी पेशे को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए परिषद द्वारा कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं के संबंध में पीसीआई के साथ समन्वय करने और परिषद द्वारा निर्देशित विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए समन्वय करने के लिए है। पीसीआई क्षमता निर्माण औद्योगिक प्रशिक्षण (सीबीआईटी), सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी), व्यावसायिक विकास निधि (पीडीएफ), फार्मासिस्टों के लिए रिफ्रेशर कोर्स, व्यावसायिक विकास निधि (पीडीएफ), अनुसंधान विकास योजना (आरडीएस), फार्मासिस्टों के लिए कौशल विकास केंद्र (एसडीसीपी), यह हर साल 6 मार्च को फार्मा अन्वेषण, हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, हर साल 25 सितंबर को फार्मासिस्ट दिवस, हर साल नवंबर के तीसरे सप्ताह में राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह आदि का आयोजन और जश्न मनाता है।

डायबिटीज की इस दवा से 60 साल तक कायम रहेगी जवानी

नई दिल्ली। डायबिटीज यानि शुगर के इलाज में ली जाने वाली गोली से 60 साल तक जवान बने रह सकते हैं। यह दावा नई रिसर्च में किया गया है। नई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि जवानी को बरकरार रखने में डायबिटीज की दवा मेटफॉर्मिन काफी कारगर है। मेटफॉर्मिन की दवा खाने से आसानी से 90 साल तक हेल्दी लाइफ जी सकते हैं। यह अध्ययन कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी ने अन्य यूनिवर्सिटियों के साथ मिलकर किया है। इस तरह के उपचार को गेरोथेराप्यूटिक्स कहा जाता है। इस इलाज के तहत उम्र बढने की गति को धीमा किया जाता है और लोगों को लंबे और हेल्दी जीवन जीने में मदद मिलती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसमें कई दवाओं को चिन्हित किया गया है, लेकिन मेटफॉर्मिन में सबसे बेहतर परिणाम मिला है। यह दवा टाइप 2 डायबिटीज के इलाज के लिए बहुत आम है। वैज्ञानिक मेटफॉर्मिन में खास रुचि दिखा रहे हैं क्योंकि यह उम्र बढने से जुड़ी कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं को प्रभावित करता दिखाई देता है। यह अध्ययन टाइप 2 डायबिटीज से पीड़ित रजोनिवृत्त महिलाओं पर किया गया।

Health dept steps up preventive measures as dengue cases surge

Jaipur: With the onset of the monsoon, Rajasthan has started reporting a rise in dengue cases. According to the health department, 75 dengue cases have been recorded in the last 45 days from different parts of the state. As mosquito-borne diseases begin to surface, the health department is conducting surveys and launching preventive measures in affected areas. "All chief medical and health officers have been instructed to take proactive steps, including awareness campaigns, district-level task force meetings, and coordinated mosquito control activities in high-risk zones," a senior official said. Health data reveals that dengue cases peaked in 2021 with 20,141 reported cases, followed by 12,979 in 2022, 13,924 in 2023, and 12,514 in 2024. In 2025, 440 dengue cases have been reported so far. The department is also working to prevent the spread of malaria. In 2024, Rajasthan reported 2,213 malaria cases, while only 263 have been reported up to June 30 this year. Officials credit ongoing public awareness efforts for the decline. We are encouraging community participation through larva identification demonstrations and educational audio-visual tools," the official added. Malaria prevention activities have been underway since April 1. Authorities continue to urge the public to remain alert and eliminate stagnant water.

सुरक्षा डायग्नोस्टिक्स 200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नई दिल्ली: सुरक्षा डायग्नोस्टिक्स ने बुधावार को कहा कि वह पूर्वी भारत में 20 से अधिाक उन्नत इमेजिंग केंद्र स्थापित करने के लिए 200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यूनाइटेड इमेजिंग के सहयोग से क्रियान्वित की जाने वाली इस योजना का उद्देश्य टियर 2 और टियर 3 शहरों में उन्नत डायग्नोस्टिक सेवाओं तक पहुँच का विस्तार करना है, जिससे छोटे शहरों और अर्धा-शहरी क्षेत्रें में वहनीयता और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता दोनों में सुधाार होगा। हालाँकि, निवेश रोलआउट के लिए कोई समयसीमा नहीं बताई गई। सुरक्षा डायग्नोस्टिक्स के सीएमडी सोमनाथ चटर्जी ने कहा, यह सहयोग हमें अपनी पहुँच का विस्तार करने और पूर्वी भारत में बड़ी आबादी को उच्च गुणवत्ता वाली डायग्नोस्टिक सेवाएँ प्रदान करने में सहायता करेगा।

संशोधन के बावजूद, यूसीपीएमपी शक्तिहीन बनी हुई है: एफएमआरएआई का आरोप

नई दिल्ली: फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएमआरएआई) का आरोप है कि भले ही केंद्र सरकार ने पिछले साल फार्मा उद्योग के लिए यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेज (यूसीपीएमपी) को संशोधित किया था, लेकिन यह शक्तिहीन और वैधानिक रूप से अनबाध्यकारी बना हुआ है। यह टिप्पणी फार्मास्युटिकल्स विभाग (डीओपी) के तहत फार्मा मार्केटिंग प्रैक्टिसेज के लिए शीर्ष समिति के एक आदेश की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें वैश्विक बायोफार्मा प्रमुख एबवी इंक की भारतीय शाखा एबवी हेल्थकेयर इंडिया को कथित अनैतिक विपणन प्रथाओं के लिए फटकार लगाई गई है, जो यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेज (यूसीपीएमपी), 2024 का उल्लंघन करते हुए 30 हेल्थकेयर पेशेवरों (एचसीपी) के लिए मोनाको और पेरिस में विदेशी छुट्टियों को प्रायोजित करती है। एफएमआरएआई ने जून, 2025 के महीने के अपने समाचार पत्र में एक लेख में कहा, जैसा कि एफएमआरएआई ने कई बार व्यक्त किया है वे पहचान कर सकते हैं, जांच कर सकते हैं और यह स्थापित कर सकते हैं कि गलत काम हो रहे हैं। लेकिन वे केवल फटकार लगा सकते हैं और कुछ नहीं कर सकते। इस मामले में डीओपी ने सीबीडीटी (केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) से संबंधित कंपनी के खिलाफ कर चोरी का मामला दर्ज करने का आग्रह किया है। रिश्वतखोरी का असली मुद्दा अभी भी बरकरार है, इसने आरोप लगाया। जैसा कि पहले बताया गया है, शीर्ष समिति ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) से 30 एचसीपी के साथ कंपनी की कर देयता का मूल्यांकन करने और आयकर अधिनियम, 1961 और संबंधित परिपत्रों के प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही करने का अनुरोध किया है। इसने राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद (एनएमसी) से भारतीय चिकित्सा परिषद विनियम, 2002 के अनुसार 30 स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के खिलाफ कार्रवाई करने का भी अनुरोध किया है। यह कार्रवाई एक अनाम शिकायत पर आधारित थी, कि एबवी ने सौंदर्यशास्त्र और एंटी-एजिंग मेडिसिन वर्ल्ड कांग्रेस, 2024 पर सम्मेलनों की आड़ में असाधारण आनंद यात्राओं के लिए यात्रा टिकट और होटल आवास प्रदान किए, जो क्रमशः 1 से 3 फरवरी और 26 से 29 मार्च तक मोनाको और पेरिस में बोटॉक्स और जुवेडरम के चिकित्सा सौंदर्यशास्त्र या एंटी-एजिंग उत्पादों से जुड़े 30 डॉक्टरों के लिए हुए थे।

Fake doctor arrested for cheating medical distributor

Mumbai. A fake doctor has been arrested for cheating a medical distributor. Sion police have arrested a man from Rohtak in Haryana. He is accused of allegedly cheating a Mumbai-based medical distributor of medicines worth Rs 6.3 lakh by posing as a doctor. The accused has been identified as Mukesh Taleja. It was told that he earlier worked as a medical representative (MR) and is suspected of cheating several distributors.This is the caseAccused Mukesh Taleja contacted the complainant and claimed to be Dr. Dipanshu Verma from VN Desai Hospital in Santacruz. He won the confidence of the complainant and purchased medicines worth Rs 5.66 lakh. Later he issued a cheque which bounced and did not make any payment. Due to this a case was registered under fraud and others.Investigation revealed that accused Taleja had used mobile SIM cards and bank accounts registered in the names of others. He came to Mumbai from Rohtak, stayed there for a few days to execute the fraud and then returned to Haryana. Police traced him to Kamothe in Navi Mumbai and Taleja and his fellow middleman were taken into custody.Investigation revealed that Taleja collected contact details of medical distributors through online platforms and called them posing as a doctor and placed high value orders. He would then issue fake cheques to avoid payment. Police seized five mobile phones, blank cheques of thirteen banks, a debit card and medicines worth Rs 6.31 lakh, which are suspected to have been acquired through similar scams. Officials said Taleja has duped several distributors in various areas. The case is being thoroughly investigated.

होम्योपैथ को आधुनिक दवाएं लिखने की अनुमति का विरोध

मुंबई। होम्योपैथ को आधुनिक दवाएं लिखने की अनुमति का इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने विरोध जताया है। आईएमए ने महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल (एमएमसी) की अधिसूचना की आलोचना की। अधिसूचना में होम्योपैथ को फार्माकोलॉजी में छह महीने का कोर्स पूरा करने के बाद आधुनिक दवाएं लिखने की अनुम.ति देने की बात कही गई है। यह आदेश महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल (एमएमसी) की 30 जून की अधिसूचना के बाद आया है। इसमें कहा गया है कि होम्योपैथी चिकित्सकों को आधुनिक चिकित्सा पद्धति में अभ्यास करने के लिए आधुनिक औषध विज्ञान में सर्टिफिकेट कोर्स (सीसीएमपी) शुरू करने की अनुमति दे दी है। आईएमए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवकुमार उत्तुरे ने कहा कि यह पूरी तरह गलत है और हम इसके खिलाफ हैं। यह मरीजों को धोखा देगा और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों को कमजोर करेगा। फिलहाल यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है और आईएमए ने बंबई उच्च न्यायालय मे याचिका दायर की है। हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि 2014 में राज्य सरकार ने महाराष्ट्र होम्योपैथिक प्रैक्टिशनर्स एक्ट और महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल एक्ट 1965 में संशोधन किया। होम्योपैथ को कुछ शर्तों के तहत आधुनिक दवाएं लिखने की अनुमति दी। उन्होंने कहा कि आईएमए ने इन संशोधनों को बॉम्बे उच्च न्यायालय में चुनौती दी है।

भारतीय फार्मा उद्योग को अमेरिकी जेनेरिक दवा बाजार से आस

मुंबई। प्राप्त समाचार के अनुसार भारतीय फार्मा उद्योग को अमेरिका में दवाओं के पेटेंट खत्म होने का लाभ मिल सकता है। जानकारी अनुसार साल 2025-29 के बीच 63.7 अरब डॉलर मूल्य की छोटे मॉलीक्यूल वाली दवाओं के पेटेंट समाप्त होने जा रहे हैं। ये पिछले पांच वर्षों की तुलना में 65 प्रतिशत अधिक है। अमेरिका में व्यापक लॉस ऑफ एक्सक्लूसिविटी (एलओई) के कारण भी भारतीय फार्मा को फायदा मिलने की आस है। इसके साल 2035 तक 180 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। लॉस ऑफ एक्सक्लूसिविटी का मतलब दवा का पेटेंट खत्म होने पर जेनेरिक दवा का बाजार में आना है। इस बदलाव से जेनेरिक दवा लाने में तेज वृद्धि होगी। इससे भारतीय दवा कंपनियां दमदार वृद्धि की स्थिति में होंगी और उन्हें फायदा मिल सकता है जिनकी जटिल जेनेरिक में विशेषज्ञता है। अमे.रिका में भारतीय कंपनियां शिल्पा मेडिकेयर, सिप्ला और ल्यूपिन जैसी कंपनियां बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के मामले में बेहतर स्थिति में हैं। इन्होंने इंजेक्शन और श्वसन चिकित्सा जैसे विविध उपचारों में पहले ही निवेश कर रखा है। भारतीय कंपनियां वॉल्यूम का अंतर पाटने के लिए भी आगे आ रही हैं। अवसरों का यह दौर रणनीतिक अनुशासन की पृष्ठभूमि में सामने आ रहा है। यूएस एएनडीए की फाइलिंग में पिछले साल की तुलना में 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। वित्त वर्ष 25 की फाइलिंग का समापन लगभग 550 पर होने की संभावना है। वित्त वर्ष 24 में इनकी संख्या 740 और वित्त वर्ष 22 में 857 थी। यूएसएफडीए के मंजूरी वाले 750 से अधिक संयंत्रों के साथ भारत किफायती, अधिक गुणवत्ता वाली दवाओं के अगले दौर की अगुआई के लिए तैयार है। पेटेंट खात्मे से मिलने वाले 180 अरब डॉलर के अवसरों का लाभ उठाने के लिए अनुपालन और गुणवत्ता प्रणालियों पर निरंतर ध्यान देने की जरूरत होगी।

One dead and 150 sick due to food poisoning

Saharanpur (UP). There is news of one death and 150 people falling ill due to food poisoning. More than 150 people including women and children of Shia community fell victim to food poisoning in Nanauta town. Among them, 55-year-old Shabi Haider died. A large number of people suffering from food poisoning in the city have been admitted to private hospitals including CHC. Some people have been taken to Saharanpur and other places due to critical condition.On Saturday, Majlises were being organized in all the Imam Bargahs and houses of the city. After the Majlis, there was also arrangement for food and drink in the houses. Meanwhile, late at night some people and children started complaining of stomach ache and vomiting. They were being treated by their families in private doctors nearby in the city. Shabi Haider (55), a resident of Mohalla Sheikhjadgan, was referred from CHC to the district hospital after her condition worsened. When her condition did not improve, she died on the way to Chandigarh Higher Center. Meanwhile, cases of food poisoning among women, men and children of the Shia community started increasing in the city. As soon as the news of Shabi Haider's death due to food poisoning spread panic among the people. Within no time, by 1 o'clock in the night, more than 150 people including women and children of the Shia community in the city fell prey to food poisoning. The continuously increasing cases of food poisoning created panic among the people.The sick people were admitted to the city's community health center and other private hospitals and doctors. Where some people were admitted to the government and private hospitals of the district due to their deteriorating condition. However, the cause of food poisoning has not been ascertained yet. CHC in-charge Dr. Pramod Kumar said that food poisoning has occurred due to drinking milk with ice two days ago and eating something wrong. Eating stale and heavy food in the summer season also causes food poisoning.

जच्चा-बच्चा की मौत पर डॉक्टर गिरफ्तार

कुशीनगर (उत्तर प्रदेश)। जच्चा-बच्चा की मौत होने पर लापरवाही के आरोप में डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, संबंधित प्राइवेट हॉस्पिटल को सील कर दिया गया है। कुशीनगर के खड्डा इलाके में 25 वर्षीय महिला और उसके नवजात बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी डॉ. मोहम्मद सईद को चिकित्सकीय लापरवाही के आरोप में गिरफ्तार किया है और उसके अस्पताल को सील कर दिया। जानकारी अनुसार, हनुमानगंज थाना क्षेत्र के रामपुर जंगल गांव की रहने वाली आसमा को प्रसव पीड़ा होने पर विभ्रांत अस्पताल लाया गया था। रात करीब 11 बजे अस्पताल में उसका ऑपरेशन हुआ। डॉक्टरों ने बताया कि ऑपरेशन सफल रहा और जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। कुछ समय बाद ही कर्मचारी बहाने बनाने लगे। परिवार ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने पैसे मांगे और जिला अस्पताल से खून का इंतजाम करने को कहा। जब आसमा की हालत बिगडने लगी तो अस्पताल प्रबंधन ने उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जाने की सलाह दी। परिजनों ने खुद को अस्पताल का फिजीशियन बताने वाले डॉ. सैयद पर आरोप लगाया और कहा कि उन्हें झूठा भरोसा दिलाया कि जच्चा-बच्चा दोनों जीवित हैं।

किंग इंस्टीट्यूट में बनेगा 750 बिस्तरों वाला बाल चिकित्सा अस्पताल

चेन्नई: स्वास्थ्य मंत्री मा. सुब्रमण्यम ने यह बताया कि गुइंडी में किंग इंस्टीट्यूट ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन एंड रिसर्च कैंपस में छह एकड़ जमीन पर 750 बिस्तरों वाला मल्टीस्पेशलिटी पीडियाट्रिक अस्पताल बनाया जाएगा। अस्पताल को एक स्नातकोत्तर और सुपर-स्पेशलिटी पीडियाट्रिक संस्थान से जोड़ा जाएगा जो तमिलनाडु डॉ एमजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी के एक घटक मेडिकल कॉलेज के रूप में कार्य करेगा। यह कलैगनार सेंटेनरी सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजिंग के बाद परिसर में तीसरा अस्पताल होगा। राज्य ने 3.15 लाख वर्ग फीट में सात मंजिला (भूतल सहित) अस्पताल भवन के निर्माण के लिए 487.66 करोड़ रुपये अलग रखे हैं, जिसमें छात्रावास और अन्य चिकित्सा बुनियादी ढाँचा होगा। प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण करने के लिए स्वास्थ्य सचिव पी सेंथिलकुमार सहित वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ किंग इंस्टीट्यूट का दौरा करने वाले मा सुब्रमण्यन ने कहा, यह राज्य में किसी अस्पताल के लिए अब तक का सबसे बड़ा आवंटन है। उन्होंने कहा, हमें पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री से मंजूरी मिल गई है। निविदाएं जल्द ही आवंटित की जाएंगी और निर्माण सितंबर में शुरू होने की संभावना है। संस्थान को पूरी तरह से विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित और संचालित किया जाएगा। अस्पताल में 100 बिस्तरों वाली गहन देखभाल इकाइयाँ, पे वार्ड, साझा वार्ड और सुइट्स होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. के नारायणसामी ने कहा कि इस सुविधा में 14 अद्वितीय विभागों सहित 20 विभाग होंगे। इनमें मेडिसिन, क्रिटिकल केयर, सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, पल्मोनोलॉजी, कार्डियोलॉजी, यूरोलॉजी, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी और अंग प्रत्यारोपण इकाई शामिल हैं।

जीवन रक्षक दवाइयां डेढ़ माह में 30 फीसदी तक हो गई महंगी

बागपत (उप्र)। जीवन रक्षक दवाइयां डेढ़ माह में 30 फीसदी तक महंगी हो गई हैं। शुगर, किडनी, हृदय रोग, सांस की बीमारियों से लेकर सर्दी-जुकाम तक की दवाओं की कीमतों में उछाल आया है। इससे निजी अस्पतालों में इलाज कराने वाले मरीज तो परेशान हैं ही, वहीं सरकारी अस्पतालों के मरीजों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बाहर की दवाएं लिखी जा रही हैं। ऐसे में शुगर की दवाएं जहां 17 से 18 प्रतिशत तक महंगी हुई हैं और सांस रोग की दवा के दाम में 22 से 50 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। इसी तरह हृदय रोग की दवा 18 प्रतिशत तक महंगी हुई है। सर्दी-जुकाम की दवाओं के रेट 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़े हैं। मेडिकल स्टोर संचालकों का कहना है कि कंपनी ने ही दामों में वृद्धि की है और उन्होंने भी दवाओं के रेट बढ़ाए है।

इस तरह बढ़े दवाओं के दाम

दवा	पहले	अब	प्रतिशत में वृद्धि
ग्लाइकोमेट जीपी2 (शुगर)	152	178	17.11
जोमेलिस मेट 50एमजी/500एमजी (शुगर)	153	179	16.99
प्राइमाकोर्ट-100 (प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने)	36	47	30.56
टिकाबिड (हृदय रोग)	272	321	18.01
डेरिफिलिन रिटार्ड 150 (सांस के रोग)	27	33	22.22
बेटनेसोल (मुंह के छाले व सांस रोग)	08	17	50.50
लेमिनो लेप्रो(आईवी) किडनी रोग	690	781	13.19
डोलो पेरासिटामोल (आईवी)	300	331	10.33
सिनारेस्ट (सर्दी जुकाम)	90	118	31.11
चेस्ट एंड कोल्ड (सर्दी जुकाम)	46	65	41.30
एन फ्लोक्स (दस्त की दवा)	92	131.95	43.42
गौ रोलेक्स (पेट की दवा)	112	135	20.5

बिकाऊ है

बुलन्दशहर में जिला अस्पताल के सामने मोती बाग की ओर जाने वाली सड़क पर मन्दिर के पास

Ground Floor: 2 Shops

First Floor: 200 Square Yard, Drawing Room Big Lobby, 3 Bedroom, Kitchen, 3 WC

-विशेषताएें-

- On Road Property
- 30 फीट से अधिक चौड़ी सड़क
- Corner Property
- 3 Side Open (East, West & South)
- 12 फीट पटाव की छत
- व्यवसायिक उपयोग
- Situated in Mix Area Residence Cum Commercial
- पार्क, अस्पताल, मैडीकल स्टोर, सब्जी मण्डी, बस स्टैण्ड के निकट
- फर्श पर टाइल्स
- लाइट, जेट पम्प आदि सभी सुविधायें

Contact us:
9045029158, 9410434811

License required for import of foreign Ayurvedic medicines

Chennai. As per the news received License has been made mandatory for import of foreign Ayurvedic medicines. The Madras High Court has said that it is mandatory to obtain import license to import Ayurvedic medicines or products from abroad to India. The court gave this decision during the hearing of a case.This is the caseAccording to the information, an Ayurvedic medicine being imported from Singapore was stopped by the Customs Department. This case is related to an Ayurvedic oil 'Kodlai Thailam' manufactured by 'Leng Kai Fook Medical Company' (Singapore). This oil was being imported to India by 'Aksen Marketing India Private Limited' Chennai. Recently, the state authority located in Arumbakkam sent a notice to the 'Aksen' company and it was said that they should have a valid license to import Kodalai Thailam.After this, the customs officials seized the consignment of this medicine from Singapore. In protest against this action, the 'Axen' company filed a petition in the Madras High Court and demanded the release of their confiscated medicine.While hearing the case, Justice Senthil Kumar Ramamurthy cited an old decision of the Supreme Court. He clarified that 'Kodlai Thailam' comes under a custom tariff category and this Ayurvedic medicine is subject to inspection. He said that the Drugs Act also applies to Ayurvedic products. Therefore, it is mandatory to have a license for the import of all types of medicines. License has been made mandatory for import of foreign Ayurvedic medicines.

आयुष्मान कार्ड कैसे बनवाएं? कौन-से डाक्यूमेंट्स हैं जरूरी, यहां जानिए सबकुछ

नई दिल्ली। अगर आप फ्री इलाज की सुविधा लेना चाहते हैं तो आयुष्मान भारत योजना (PM-JAY) के तहत आयुष्मान कार्ड बनवाना आपके लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। दरअसल, इस कार्ड के जरिए एलिजिबल होने पर आप सालाना 5 लाख रुपये तक का फ्री इलाज सरकारी और योजना के तहत रजिस्टर किए गए प्राइवेट हॉस्पिटल्स में भी फ्री इलाज ले सकते हैं। चलिए पहले जानते हैं कि आप इस कार्ड को कैसे बनवा सकते हैं।

आयुष्मान कार्ड कौन बनवा सकता है? बता दें कि आयुष्मान भारत योजना का बेनिफिट सिर्फ वही लोग ले सकते हैं जिनका नाम SECC 2011 की लिस्ट में है या जो नेशनल हेल्थ अथॉरिटी यानी NHA के डेटा में एलिजिबल हैं। इसके अलावा, जो लोग असंगठित सेक्टर में काम करते हैं और आर्थिक रूप से काफी कमजोर हैं वो भी इस कार्ड के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

क्या है आयुष्मान कार्ड बनवाने का तरीका? आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए आपको सबसे पहले एलिजिबिलिटी चेक करनी होगी। 0. एलिजिबिलिटी चेक करने के लिए mera-pmjay-gov-in वेबसाइट पर जाएं। 0. यहां अब अपना मोबाइल नंबर एंटर करके OTP से लॉगिन कर लें। 0. यहां से अब अपना नाम, मोबाइल नंबर, राशन कार्ड या परिवार के किसी मेंबर का नाम सर्च करें। 0. इधर अगर आपका नाम लिस्ट में दिख रहा है, तो आप इसके लिए एलिजि. बल हैं।

ऑनलाइन आयुष्मान कार्ड कैसे बनवाएं? सबसे पहले सरकारी वेबसाइट beneficiary-nha-gov-in पर जाना होगा। 0. अब मोबाइल नंबर से लॉगइन करें। 0. इसके बाद ओटीपी से वेरिफाई करने। 0. बेनिफिशियरी पोर्टल खुलेगा, जहां आपको स्कीम नाम -PMJAY, राज्य, सब स्कीम (PMJAY), जिला और आधार नंबर डालक सर्च करना होगा। 0. अब आपको परिवार वालों के नाम दिख जाएंगे। 0. नाम के आगे आपको एक्शन बटन दबाना है। 0. अब आधार नंबर से आधार ओटीपी सलेक्ट कर ई-केवाईसी कम्पलीट करें। 0. आधार वेरिफिकेशन के बाद आपका मैचिंग स्कोर 80 परसेंट से ज्यादा है तो आपका आयुष्मान कार्ड अप्रूव हो गया है। 0. अब आपको कैप्चर फोटो वाले ऑप्शन में फोटो अपलोड करनी होगी। 0. न्यू फॉर्म फॉर्म ओपन होगा इसमें सारी जानकारी भर दें। 0. इसके बाद सब्मिट बटन पर क्लिक कर दें।

जाना होगा नजदीकी CSC या आयुष्मान केंद्र : अब अगर आप आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए एलिजिबल हैं तो आप नजदीकी CSC या आयुष्मान केंद्र पर भी जा सकते हैं। यहां आपको अपने साथ आधार कार्ड, राशन कार्ड और एक पासपोर्ट साइज फोटो लेकर जाना होगा। अब इधर आपके डॉक्यूमेंट वेरीफाई किए जाएंगे और कार्ड के लिए अप्लाई किया जाएगा। अप्लाई करने के कुछ ही दिनों बाद आपका Ayushman Card जनरेट हो जाएगा। आधार कार्ड की तरह आप इसे भी डिजिटल रूप से डाउनलोड कर सकते हैं या इसका प्रिंट भी करवा सकते हैं।

भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र बुनियादी ढांचे और कुशल पेशेवरों की भारी कमी से जूझ रहा है: डॉ राज नागरकर

बेंगलुरु: भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में परिवर्तनकारी विकास हुआ है। एक ओर, यह चिकित्सा नवाचार और पहुंच में वैश्विक नेता के रूप में उभरने के लिए महत्वाकांक्षी रूप से काम कर रहा है। दूसरी ओर, यह बुनियादी ढांचे और कुशल चिकित्सा पेशेवरों की तीव्र कमी से जूझ रहा है, एचसीजी मानवता कैंसर सेंटर के प्रबंध निदेशक, मुख्य सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट और रोबोटिक सर्जन डॉ राज नागरकर ने कहा। आयुष्मान भारत योजना, एआई-संचालित डायग्नोस्टिक्स और मोबाइल स्वास्थ्य ऐप जैसी तकनीकी प्रगति ने रोगी देखभाल में दक्षता पैदा की है। साथ ही, भारत का फार्मा उद्योग, जिसे दुनिया की फार्मेसी के रूप में मान्यता प्राप्त है, वैश्विक स्तर पर सस्ती जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति जारी रखता है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान टीकों की तेजी से तैनाती ने भारत की रसद क्षमता और वैज्ञानिक क्षमता को प्रदर्शित किया, 2023 तक 2.2 बिलियन से अधिक खुराक दी जाएंगी। डॉ. नागरकर ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों की संख्या 2014 में 387 से बढ़कर 2024 तक 700 से अधिक हो गई है। राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (एनडीएचएम) जैसी पहल एकीकृत स्वास्थ्य रिकॉर्ड के लिए एक ढांचा तैयार करती है, निर्बाध डेटा साझाकरण को सक्षम करती है और देखभाल समन्वय में सुधार करती है और फिर भी इसमें अथक चुनौतियां हैं। लैंसेट अध्ययन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल लागत के कारण सालाना 55 मिलियन भारतीय गरीबी में धकेले जाते हैं। भारत में डॉक्टर-रोगी अनुपात 1:834 है, जो डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित 1:1,000 से बेहतर है, लेकिन यह आंकड़ा क्षेत्रीय असमानताओं को छुपाता है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर अनुपात 1:10,000 से कम होता है। इसके अलावा, देखभाल की गुणवत्ता भी व्यापक रूप से भिन्न होती है।

अमानक मिली दवा Phenytoin sodium की सप्लाई पर रोक लगी

रायपुर (छत्तीसगढ़)। अमानक मिली दवा Phenytoin sodium की सप्लाई पर रोक लगा दी गई है। यह दवा प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में सप्लाई की गई थी। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (CGMSC) ने वित. रित दवा को अस्पतालों से वापसी के लिए फर्म को निर्देश जारी किए हैं। बता दें कि Phenytoin sodium इंजेक्शन अमानक निकलने पर इसके उपयोग और वितरण पर छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन ने रोक लगाई थी। इस दवा की गुणवता का फिर से परीक्षण किया गया और इसमें दवा को अमानक पाया गया। सीजीएमएससी ने फर्म को Phenytoin sodium दवा वास मंगाकर नई बैच की दवा सप्लाई करने के आदेश दिए हैं। वहीं, अस्पताओं को निर्देशित किया है कि इस दवा का स्टॉक वापस गोदाम में जमा कर दें। बता दें कि इस दवाई का उपयोग मिर्गी झटके और सर में चोट होने के बाद होने वाले झटके रोकने के लिए किया जाता है। फिलहाल अभी जानकारी स्पष्ट नहीं है कि Phenytoin sodium दवा को कितने लोगों ने खाया है ? जिन्होंने इस दवा को लिया है, उनके साथ क्या हुआ? यह भी सवाल उठते हैं कि जब जांच के बाद दवा सप्लाई होती है तो अमानक दवा हॉस्पिटल में कैसे पहुंची। इसमें किसी बड़े अधिकारी की मिलीभगत की भी संभवना है।

Illegal hospitals running without registration sealed

Madihan, Mirzapur (UP). Illegal hospitals running without registration have been sealed. This action was taken by the health department team at Sangam Hospital in Kalwari area. The team had inspected the illegal nursing home under the leadership of nodal officer Awadhesh Kumar. The investigation found the hospital operating without any registration.The inspection revealed that there was no degree holder employee in Sangam Hospital. Bed head tickets of the patients were also not made. The hospital operator Shiv Kumar is an Ayurvedacharya. He was practicing allopathy without registration. Three patients were operated in the hospital without a female doctor and surgeon. Mohammad Sultan, husband of a patient Seema Begum, said that his newborn baby had died in the womb. Despite this, a caesarean operation was done.The health department team sealed the hospital. Three patients were sent to the Community Health Center Madihan. As soon as the raid action was known, other medical centers in the area were closed.

PRODUCT LIST- **EBURTICA** - 10/20 - TAB Ebastine 10/20 mg- (10x10-Alu-Alu) **DINFEXO** - 120/180 - TAB Fexofenadine Hcl 120/180 mg - (10x1x10-Alu-Alu+Inner) **ANXOCLIND - A - GEL** Clindamycin 1% w/w + Adapalene 0.1% w/w - (20g - Lami Tube) **ANXOCLIND - N - GEL** Clindamycin 1% w/w + Nicotinamide 4% w/w (20gm- Lami Tube) **BENZOHEAL-2.5-GEL** Benzoyl Peroxide 2.5% w/w (20gm- Lami Tube) **BENZOHEAL - 5 - GEL** Benzoyl Peroxide 5% w/w (20gm- Lami Tube) **BENZOHEAL - A - GEL** Benzoyl Peroxide 2.5% w/w + Adapalene 0.1% w/w (20gm- Lami Tube) **FUMOMETA - T - CREAM** Mometasone Furoate 0.1% w/w + Terbinafine 1% w/w - (15gm- Lami Tube) **FUMOMETA CREAM** Mometasone Furoate 0.1% w/w - (15gm- Lami Tube) **KETOEDGE CREAM** Ketoconazole 2% w/w (15gm- Lami Tube) **KETOEDGE SHAMPOO** Ketoconazole 2% w/v + ZPTO 1% w/v (60ml Bottle + Outer) **KETOEDGE SOAP** Ketoconazole 2% w/w + Glycerine (75 gm - Pouch + Carton) **KLENMICO GEL** Miconazole Nitrate 2% w/w - (20gm- Lami Tube) **LILUORIN CREAM** Luliconazole 1 % w/w - (20gm- Lami Tube) **LILUORIN LOTION** Luliconazole 1 % w/v -(15ml Nozzole Cap Bottle) **LORIHEAL- 10-TAB** Loratadine 10 mg (10x10-Alu-Alu).

- Sudhir Life Sciences (P) Ltd. Jabalpur, 9424417000, 7400717000, 8871307000.

भारत आकर किडनी बेच रहे बांग्लादेशी: तस्करी का शिकार हुआ पूरा गांव; पैसा भी पूरा नहीं मिला; लोग सिर्फ एक किडनी के सहारे जिंदा

प्राप्त समाचार के अनुसार बांग्लादेश के उत्तर-पश्चिमी जिले जॉयपुरहाट का एक छोटा-सा गांव बाइगुनी अब वन किडनी विलेज के नाम से कुख्यात हो चुका है। यहां हर 35 में से एक व्यक्ति अपनी किडनी बेच चुका है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच चल रही इस अवैध अंग तस्करी ने कई परिवारों की जिंदगियों को बर्बाद कर दिया है। 45 वर्षीय सफीरुद्दीन इसी गांव के निवासी हैं। 2024 की गर्मियों में उन्होंने भारत आकर 2.5 लाख रुपए में अपनी किडनी बेच दी थी। उनका मकसद गरीबी से निकलना और अपने तीन बच्चों के लिए घर बनाना था, लेकिन अब उनका मकान अधूरा है, शरीर में लगातार दर्द है और काम करने की ताकत नहीं बची।

सफीरुद्दीन कहते हैं, दलालों ने कहा था सब आसान होगा। मैंने सब कुछ बच्चों के लिए किया। लेकिन ऑपरेशन के बाद मेरा पासपोर्ट, मेडिकल पर्चियां और दवाइयां सब गायब हो गईं।

फर्जी दस्तावेजों से मरीजों का रिश्तेदार बना रहे दलाल: भारत में मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम (THOA) 1994 के मुताबिक , किडनी का दान सिर्फ नजदीकी रिश्तेदारों के बीच या सरकारी मंजूरी से ही किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक दलाल नकली दस्तावेजों और रिश्तेदारी के फर्जी सबूतों के जरिए इस नियम को चकमा दे देते हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट में WHO के विशेषज्ञ मोनिर मनीरुज्जमां के हवाले से बताया गया है कि फर्जी पहचान पत्र, नोटरी सर्टिफिकेट और ब्क्ष। रिपोर्ट तक बनवाई जाती हैं। अस्पतालों को अक्सर शक ही नहीं होता या वे जानबूझकर नजर. अंदाज कर देते हैं। बिनाई गांव की विधवा जोशना बेगम और उनके दूसरे पति बेलाल को 2019 में एक दलाल ने भारत ले जाकर कोलकाता के एक अस्पताल में ट्रांसप्लांट करवाया। पहले 7 लाख टका (बांग्लादेशी करेंसी) का वादा किया गया, लेकिन ऑपरेशन के बाद सिर्फ 3 लाख मिले। जोशना कहती हैं कि, दलाल ने पासपोर्ट तक नहीं लौटाया। बाद में बेलाल भी मुझे छोड़कर चला गया।

2.5 लाख में किडनी खरीदकर 18 लाख में बेच रहे: रिपोर्ट में दलालों के हवाले से बताया गया है कि मरीज एक किडनी के लिए 18 से 22 लाख रुपए तक चुका देते हैं, जबकि किडनी बेचने वालों को सिर्फ 2.5 से 4 लाख रुपए मिलते हैं। बाकी पैसा अस्पतालों, दलालों, दस्तावेज बनाने वालों और डॉक्टरों में बंट जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ मामलों में तो लोगों को भारत में नौकरी का झांसा देकर ले जाया गया और बाद में जबरन या धोखे से ऑपरेशन करवा दिया गया। बांग्लादेश ग्रामीण उन्नति समिति (BRAC) के अधिकारी शरिफुल हसन के मुताबिक, कुछ लोग गरीबी के चलते खुद अंग बेचते हैं, लेकिन कई बार उन्हें धोखा देकर फंसाया जाता है।

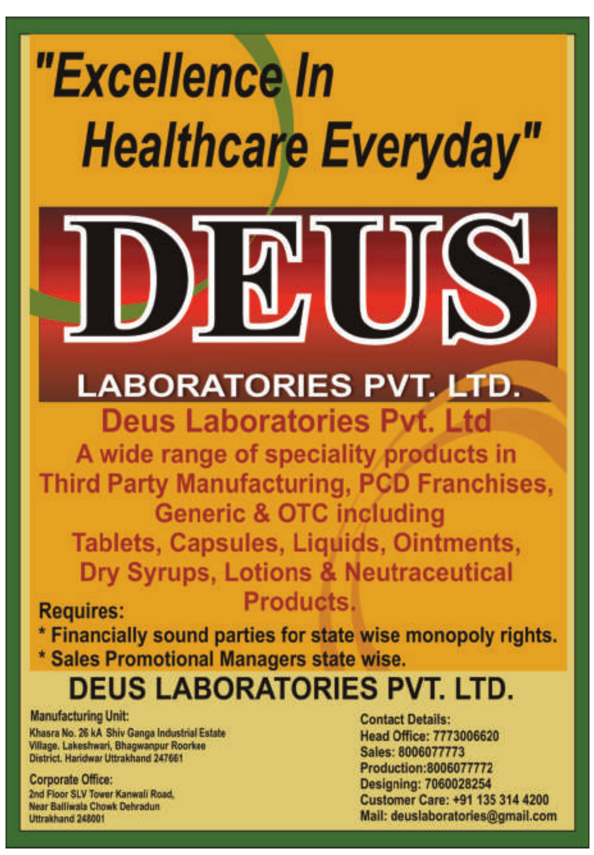

जन्मदिन पर ढेर सारी शुभकामनाएं

SHRI PRADEEP K. SURANA JI	NASHIK	10/07/1963	9422271745
SHRI. MANVIRPAL SINGH JI	BULANDSHAHR	10/07/1980	9758887902
SHRI RAJESH KUMAR JI	AGRA	10/07/1988	8445863900
DR. RANJEET SINGH JI	BULANDSHAHR	10/07/1994	7409646848
SHRI AMAR KARWA JI	NASHIK	11/07/1980	9822478110
SHRI SHASHIKANT.R DHAMNE JI	NASHIK	11/07/1971	9890177960
SHRI VEERBHAN KEVALRAMANI JI	NAGPUR	11/07/1974	9373294141
MR. MAYANK RASTOGI JI	MEERUT	12/07/1983	9897010575
SHRI PRAMOD BANKHELE JI	PUNE	14/07/1982	9890245999
SHRI MEHUL NAYAK JI	PATAN	15/07/1983	9904520004
SHRI. NARESH SINGH JI	BULANDSHAHR	15/07/1975	9719677483
SHRI PARAS SHAH JI	SURAT	15/07/1975	9825406233
SHRI. RAGIB JI	BULANDSHAHR	15/07/1994	8958888125
DR. OM PRAKASH SINGH JI	MEERUT	15/07/1958	8791447726
DR. K.P. SHARMA JI	MEERUT	15/07/1992	9084444609
DR. WASIM CHAUHAN JI	MEERUT SOUTH	16/07/1982	9719801951
SHRI JITENDRA PATEL JI	PATAN	17/07/1973	9824667063
MR. MOHIT SINGH JI	MEERUT	19/07/1987	9837955198
SHRI VIPIN KUMAR JAIN JI	AGRA	20/07/1975	9927622298
Dr. SATENDRA SINGH JI	BULANDSHAHR	20/07/1994	8445082809
SHRI ASIF KHAN JI	JALGAON	20/07/1984	9730402053
MOHD. ZAMEEL AHMAD	ALWAR	21/07/1995	9462525467
PUSHKAR CHANDRAKANT PAKHALE JI	JALGAON	21/07/1988	9970311118
SHRI SAGAR D.SALVO JI	NASHIK	21/07/1991	9527590590
SHRI ABHIJIT MITHAPELLI JI	PUNE	25/07/1981	9371015697
SHRI RAJIV BAFNA JI	DHULE	22/07/1960	7276132195
SHRI LALWANI HIMMATBHAI JI	TAPI	22/07/1971	7567945237
DR. AZHAR KHAN MEWATI JI	BULANDSHAHR	23/07/1987	9759633167
SHRI BHARAT PATEL JI	VADODARA	24/07/1972	9825040276
SHRI NARESH KUMAR JAIN JI	ALWAR	27/07/1980	9461231744
SHRI VISHAL MANDAL JI	BULANDSHAHR	28/07/1997	8979296607
SHRI GANESH PUSTODE	BHANDARA	29/07/1980	9422565750
SHRI ATUL NAGJEKAR JI	NAGPUR	29/07/1976	9823044908
SHRI ATUL NAGJEKAR JI	NAGPUR	29/07/1976	9823044908
M.A.KALADAGI JI	BELGAUM	30/07/1985	8095067848
SHRI SANJAY JAIN JI	JALGAON	30/07/1966	9423520916
SHRI RAJESH K. RAMANI JI	SURAT	31/07/1972	9825519372
DR.DEEPAK N. PATIL JI	NASHIK	31/07/1960	9422255252
SHRI DEEPAK N. PATIL JI	NASHIK	31/07/1968	9422255252
SHRI RAKESH A. KHAIRNAR JI	NASHIK	31/07/1983	9970562732
MR. SANJAY KUMAR JI	MEERUT	01/08/1974	8057345650
SHRI VILAS TELI JI	JALGAON	01/08/1980	9420386427
SHRI SAURABH KANKARIYA JI	NAGPUR	03/08/1979	9595324333
SHRI ANAND KUMAR R.GUNDECHA JI	NASHIK	04/08/1982	9850266771
SHRI. DINESH CHANDRA JI	BULANDSHAHR	04/08/1965	9259379229
MR. SATISH DHAKULKAR JI	AMRAVATI	04/08/1975	9579384017
SHRI NARESH SONI JI	ALWAR	05/08/1976	9929180725
SHRI VINOD JI	SURAT	06/08/1970	9979101595
SHRI SHIVENDRA TYAGI JI	AGRA	06/08/1984	9837745678
SHRI UMESH MAHAJAN JI	JALGAON	06/08/1979	9420384760
MOHD. SABIR	DHAULPUR	07/08/1980	9887589504
SHRI PRASHANT PAGARIYA JI	JALGAON	07/08/1976	9028309597
Smt. RAJNI DEVI JI	BULANDSHAHR	08/08/1988	9720319623
SHRI MUKESH GARG JI	HAPUR	08/08/1961	8171543966
SHRI RUPESH SHAH JI	SURAT	10/08/1970	9879050250

तेलंगाना हाईकोर्ट ने आलमपुर सरकारी अस्पताल खोलने में देरी पर सरकार की खिंचाई की

हैदराबाद: प्राप्त समाचार के अनुसार तेलंगाना उच्च न्यायालय ने जोगुलम्बा गडवाल जिले के आलमपुर में 100 बिस्तरों वाले सरकारी अस्पताल को चालू करने में 18 महीने की देरी के लिए राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई, जबकि अस्पताल पूरी तरह से बनकर तैयार हो चुका है और उसमें सभी सुविधाएं मौजूद हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजय पॉल और न्यायमूर्ति रेणुका यारा की खंडपीठ जिले के एक सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिज्ञ रामचंद्र रेड्डी द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने लंबे समय से निष्क्रियता पर चिंता व्यक्त की और सरकार और संबंधित विभागों को देरी के कारणों को स्पष्ट करते हुए दो सप्ताह के भीतर एक विस्तृत जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि अस्पताल का निर्माण 2021 में स्वीकृत ₹21 करोड़ से किया गया था और निर्माण अक्टूबर 2023 तक पूरा हो जाना था। हालांकि, पूरी तरह सुसज्जित होने के बावजूद अस्पताल को चालू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि अप्रयुक्त भवन अब खाली पड़ा है और असामाजिक तत्वों द्वारा इसका दुरुपयोग किए जाने की आशंका है। जनसांख्यिकी और सामाजिक संदर्भ पर प्रकाश डालते हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि आलमपुर एक अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र है, जहाँ दलित और पिछड़े वर्ग के समुदायों की एक बड़ी आबादी रहती है।

Strict orders to medical store operators, ban on this drug

Bathinda (Punjab). As per the news received Strict orders have been given to medical store operators. District Magistrate Shaukat Ahmed Pare has imposed a complete ban on the sale of Pregabalin 75 mg capsules and tablets in the district. He directed that the chemist should put his seal on the prescription while giving the medicine and the date of giving the medicine should be recorded. This order has been issued in relation to the action taken on the letter of Civil Surgeon Bathinda.The Civil Surgeon has said in his report that Pregabalin 75 mg capsule is being consumed by the common people as a medical drug. He demanded a complete ban on the sale of capsules. According to the order, no shopkeeper, chemist / medical store owner, pharmacy inside hospitals will sell Pregabalin 75 mg without a doctor's prescription.Proper record of purchase and sale of Pregabalin (up to 75 mg) has to be maintained. They will also have to ensure that these details are also mentioned along with the trade name of the chemist/retailer and the stamp is also put on the original prescription. Pharmacies inside hospitals will check the prescriptions of Pregabalin capsules and tablets and ensure that the said capsules have not been dispensed earlier by any other chemist on the basis of the original prescription. Strict orders have been given to medical store operators.

Nurse suspended in case of administering expired injection

Lucknow (UP). As per the news received The case of suspending a nurse in the case of administering expired injection has come to light. At the same time, a notice has been issued to the store in-charge and a reply has been sought. The nurse had administered expired injections to the patients in the Employees State Insurance Corporation Hospital located in Sarojini Nagar. The DM summoned the report of the entire matter, after which the hospital administration has taken this action. In the women's ward of the Employees State Insurance Corporation Hospital, the nurse had administered expired injection ciprofloxacin to the female patients. Its batch number is 0787. Its manufacturing date is December 2021 and expiry date is November 2024. A caretaker caught this negligence, after which many caretakers objected to the staff.The surprising thing is that instead of accepting this gross negligence, the nurse clashed with the caretakers. There was a ruckus in the ward for a long time over the administration of expired injections. The DM had summoned a report from the hospital in-charge in this entire matter. After this, the hospital in-charge suspended the nurse and sent the report. A notice has been issued to the medicine store in-charge and a reply has been sought. Action is also expected to be taken against the store in-charge soon in this matter.

जेनो हेल्थ महाराष्ट्र में 75 नए मेडिकल स्टोर खोलेगी

मुंबई: फार्मेसी नेटवर्क जेनो हेल्थ ने मुंबई, पुणे और नासिक में 75 नए मेडिकल स्टोर शुरू करने की घोषणा की है, जिससे महाराष्ट्र में इसकी उपस्थिति बढ़कर 260 स्टोर हो गई है। कंपनी के अनुसार, विस्तार का उद्देश्य शहरी और अर्ध-शहरी दोनों क्षेत्रों में सस्ती दवाओं तक पहुँच में सुधार करना है, साथ ही लाइसेंस प्राप्त फार्मासिस्टों के लिए 500 से ज्यादा नए रोजगार पैदा करना है। जेनो हेल्थ ने कहा कि वह इस वृद्धि को समर्थन देने के लिए अगले साल राज्य में 30 करोड़ का निवेश करेगी। इस निवेश में स्टोर इंफ्रास्ट्रक्चर, इन्वेंट्री, स्टाफिंग और इसके ऑफलाइन और ऑनलाइन संचालन में डिजिटल एकीकरण शामिल होगा। जेनो हेल्थ ने संकेत दिया है कि निर्माताओं से सीधे सोर्सिंग और वितरण को सरल बनाने के उसके मॉडल का उद्देश्य बिचौलियों के मार्कअप को हटाकर उपभोक्ताओं के लिए लागत कम करना है। कंपनी के अनुसार, 500 से अधिक फार्मासिस्टों की भर्ती कंपनी की कार्यबल विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य अपने नए खुदरा स्थानों पर सेवा वितरण का समर्थन करना है। फार्मा उद्योग में सबसे अधिक पढ़ा गया। विनय प्रसाद को FDA का मुख्य चिकित्सा एवं विज्ञान अधिकारी नियुक्त किया गया, STAT न्यूज की रिपोर्ट यूएसएफडीए ने नैटको के फार्मा हैदराबाद डिवीजन को 7 टिप्पणियों के साथ फॉर्म 483 जारी किया। वसा, मांसपेशी नहीं: दवा निर्माता वजन घटाने में अगली सफलता की दौड़ में अमे. रिकी FDA नए वाउचर कार्यक्रम के तहत दवा डेवलपर्स के लिए समीक्षा समय को कम करेगा।

विदेश यात्रा पर गए 30 डॉक्टरों पर एनएमसी कार्रवाही नहीं

नई दिल्ली। प्राप्त समाचार के अनुसार विदेश यात्रा पर गए 30 डॉक्टरों पर एनएमसी कार्रवाई नहीं की गई है। इन डाक्टरों ने फार्मा कंपनी एबवी से 2024 में 1.9 करोड़ रुपये की विदेश यात्रा स्वीकारी थी। हालांकि फिलहाल इन्हें एनएमसी से कोई कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ा है क्योंकि फार्मास्यूटिकल्स विभाग (डीओपी) ने उनके नाम सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया है। अभी तक इन नामों को आयोग को नहीं भेजा गया है। यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस फार्मा फर्मों को स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को यात्रा या आतिथ्य प्रदान करने से रो. कता है। हालांकि, समिति ने दिसंबर 2024 में डॉक्टरों की विदेश यात्राओं को कानून का उल्लंघन पाया था, लेकिन इस साल 8 मई तक डॉक्टरों के नाम आयोग को नहीं भेजे गए थे।

जुलाई व अगस्त माह के त्यौहार

06.07.2025	एकादशी
11.07.2025	विश्व जनसंख्यादिवस
15.07.2025	नागपंचमी
23.07.2025	मासशिवरात्रि
27.07.2025	हरियालीतीज
09.08.2025	रक्षाबंधन

हैदराबाद के ईएसआईसी में हर मर्ज का इलाज, कोई मरीज दूसरे अस्पताल नहीं भेजते

कॉलेज व अस्पताल ने सरकारी अस्पतालों की पारंपरिक छवि को बदल दिया है। यह देश का पहला जीरो रेफर मॉडल अस्पताल बन गया है। यहां हर जटिल इलाज अपने ही संसाधनों से किया जा रहा है। किसी मरीज को दूसरे अस्पताल नहीं भेजा जाता। पिछले तीन साल में अस्पताल ने 26 किडनी ट्रांसप्लांट किए, सभी सफल रहे। 1600 से ज्यादा ओपन हार्ट सर्जरी, ब्रेन और स्पाइन सर्जरी, पार्किंसन मरीज की बैटरी बदलने, डायलिसिस पर चल रही महिला का सुरक्षित प्रसव, बच्चों द्वारा निगली गई वस्तुएं निकालने और मशीनों से कुचले हाथ व कटे अंगों को फिर से जोड़ने जैसे जटिल इलाज किए गए हैं। ये सभी इलाज निजी अस्पतालों में लाखों रुपए में होते हैं, लेकिन यहां मुफ्त में मिल रहे हैं। अस्पताल में 21 हजार रु. तक मासिक वेतन पाने वाले कर्मचारी और उनके परिजन ईएसआई (कर्मचारी राज्य बीमा) कार्ड से इलाज ले सकते हैं। दिव्यांगों के लिए सीमा 25 हजार रु. है। ईएसआई कार्ड धारक देश में कहीं भी किसी भी ईएसआईसी में मुफ्त इलाज ले सकते हैं। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय अब हैदराबाद मॉडल को देश के अन्य ईएसआईसी अस्पतालों में लागू करेगा। डीन डॉ. श्रीश कुमार चवन ने बताया कि अस्पताल में 6 हजार तरह के टेस्ट होते हैं। मरीज की हालत के अनुसार टेलर्ड मेडिसिन दी जाती है। हार्मोन और जीन के रिस्पॉन्स के आधार पर दवा तय होती है। इससे रिकवरी तेज होती है। मुंबई के टाटा मेमोरियल के बाद केवल यहीं श्हर टू डिश मार्कर उपलब्ध है। इससे ब्रेस्ट, गेस्ट्रिक और अन्य कैंसर की शुरुआती पहचान होती है। प्लास्टिक सर्जरी विभाग की डॉ. शिरीन ने बताया कि गणपति नाम के मरीज का हाथ क्लिंकर मिक्सर में कुचल गया था। निजी अस्पताल ने हाथ काटने की सलाह दी थी। यहां सर्जरी कर हाथ बचाया गया।

Pharma News JULY 2025_Layout 2 7/9/2025 4:40 PM Page 7

एनजीटी ने कानपुर क्षेत्र में खतरनाक जल प्रदूषण पर एम्स से हस्तक्षेप की मांग की

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर, कानपुर देहात और फतेहपुर जिलों में निवासियों को प्रभावित करने वाले गंभीर जल प्रदूषण पर कड़ा संज्ञान लिया और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली को हस्तक्षेप करने और क्रोमियम और पारा जैसे विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने से होने वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव का आकलन करने का निर्देश दिया। 1 जुलाई, 2025 के आदेश में न्यायाधिकरण ने क्षेत्र में हाल ही में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों के दौरान निवासियों के रक्त के नमूनों में भारी धातुओं के पाए जाने की रिपोर्ट पर गहरी चिंता व्यक्त की। इस चिंताजनक डेटा के बावजूद, एनजीटी ने कहा कि अभी तक कोई प्रभावी चिकित्सा प्रतिक्रिया नहीं की गई है। न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव (अध्यक्ष), न्यायिक सदस्य सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए. सेंथिल वेल की पीठ ने कहा, इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए और यह मानते हुए कि बड़ी संख्या में लोग क्रोमियम और पारा जैसी भारी धातुओं से प्रभावित हैं या प्रभावित होने की संभावना है, और प्रभावी चिकित्सा सहायता की कमी को देखते हुए, हम एम्स, नई दिल्ली के निदेशक को प्रतिवादी के रूप में शामिल करना आवश्यक समझते हैं। न्यायाधिकरण ने एम्स को स्थिति की गंभीरता का आकलन करने के लिए प्रासंगिक रिपोर्ट और कार्यवाही डाउनलोड करने का निर्देश दिया है। इसने जोखिम की सीमा निर्धारित करने और उचित उपचार की सिफारिश करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में विशेषज्ञों की एक टीम भेजने की भी अनुमति दी है। एम्स को आठ सप्ताह के भीतर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। मामले की अगली सुनवाई 7 अक्टूबर, 2025 को होगी। पिछली सुनवाई में एनजीटी ने जल प्रदूषण संकट को हल करने के उद्देश्य से पहले दिए गए निर्देशों को लागू करने में विफल रहने के लिए राज्य के अधिकारियों की तीखी आलोचना की थी। न्यायाधिकरण ने दूषित भूजल और स्वच्छ पेयजल तक पहुँच की कमी के कारण हजारों निवासियों द्वारा सामना की जा रही निरंतर कठिनाइयों पर जोर दिया।

Your eating habits might be the reason for nightmares, poor sleep: Study

Scientists from Université de Montréal surveyed over 1,000 university students to explore the connection between food habits and dreaming. They asked about sleep quality, types of food eaten, eating timings, and dream experiences. The findings were striking. About 33% of the students reported experiencing regular nightmares. Women, in particular, were more affected. They were almost twice as likely as men to report food intolerances or allergies and also more likely to report poor sleep and dream recall, suggested the study published in Frontiers in Psychology. Many respondents noticed that their sleep was influenced by what and when they ate. Around 40% believed that eating late at night or consuming certain foods affected their sleep.

About 25% specifically said that certain food items made their sleep worse. While only 5.5% of participants believed that food impacted the tone of their dreams, the majority of those individuals blamed dairy and sweets, with spicy foods also commonly mentioned. Many said these foods made their dreams more disturbing or bizarre. Dr Tore Nielsen, the lead researcher from Université de Montréal, said, "Nightmare severity is robustly associated with lactose intolerance and other food allergies. These new findings imply that changing eating habits for people with some food sensitivities could alleviate nightmares. They could also explain why people so often blame dairy for bad dreams!"

The study further explored eating behaviour using the Night Eating Questionnaire, a tool developed by the Frontiers Research Foundation. The NEQ includes items that assess psychological and behavioural patterns related to evening and nighttime eating. Participants answered questions like, "Do you have cravings or urges to eat snacks when you wake up at night?" and "Do you need to eat to get back to sleep?" The results showed two main patterns: night-eating and evening-eating (eating after supper but before bed). Both habits were linked to lower sleep quality and more negative dreams. Those who reported eating unhealthy snacks, especially at night, were more likely to have unpleasant dreams and were less likely to remember them. Nightmares are worse for lactose-intolerant people who suffer severe gastrointestinal symptoms and whose sleep is disrupted. This makes sense, because we know that other bodily sensations can affect dreaming," Dr Nielsen said. "We are routinely asked whether food affects dreaming, especially by journalists on food-centric holidays. Now, we have some answers," he added. This study highlights a growing area of sleep research. It shows that for people with food sensitivities, especially to dairy and sweets, adjusting dietary habits could improve both sleep and dream quality.

छोटी दवा कंपनियां केंद्र सरकार के रडार पर आई

नई दिल्ली। प्राप्त समाचार के अनुसार छोटी दवा कंपनियां केंद्र सरकार के रडार पर आ गई हैं। खास तौर पर ग्रामीण इलाकों में दवाइयाँ सप्लाई करने वाली फार्मा कंपनियां नियामक जांच के दायरे में हैं। भारतीय औषधि महानियंत्रक ने राज्य अधिकारियों को उनकी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया है। कहा है कि वे राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरणों के जरिए दवा गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। यह कदम दवा सप्लाई से जुड़े कंपनियों की गुणवत्ता और अनुपालन प्रथाओं पर बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया गया है। शीर्ष औषधि नियामक एजेंसी ने नकली और गैर-मानक गुणवत्ता (एनएसक्यू) वाली दवाओं के बार-बार निर्माण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी आह्वान किया है। राज्यों से कहा गया है कि वे किसी भी नियामक कार्रवाई के बारे में सीडीएससीओ को सूचित करें। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि हम अभी भी शेड्यूल एम के अनुपालन पर प्रतिक्रिया के इंतजार में हैं। ज्यादातर छोटी दवा कंपनियाँ गुणवत्ता जांच से निपटने में असमर्थ हैं। सरकार को पूरा भरोसा है कि उचित निगरानी के बिना, ये कंपनियाँ कम सेवा वाले क्षेत्रों में दवा सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा करती हैं। सीडीएससीओ ने देशभर में 1,000 से अधिक जोखिम-आधारित निरीक्षण (आरबीआई) किए हैं। ये निरीक्षण दवा निर्माताओं के बीच गैर-अनुपालन की पहचान करने और निगरानी ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण रहे हैं। इसके बावजूद, अनेक विनियामक चुनौतियां बनी हुई हैं, और सीडीएससीओ ने राज्यों से तत्काल सुधारों को प्राथमिकता देने को कहा है। पहला कदम संशोधित अनुसूची एम को अपनाना है। इसने नई दवा लाइसेंसिंग में खामियों को दूर करने को भी कहा है।

रुड़की अस्पताल ने मूत्र असंयम से निपटने के लिए एमसेला प्रणाली स्थापित की

रुड़की: प्राप्त समाचार के अनुसार रुड़की के एक निजी अस्पताल, अभिलाषा नर्सिंग होम ने मूत्र असंयम के उपचार और पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए एक अत्याधुनिक, गैर-आक्रामक चिकित्सा उपकरण, एमसेला सिस्टम स्थापित किया है । अस्पताल के प्रमुख डॉ. चंद्र शेखर ग्रोवर ने कहा, पूरे भारत में केवल लगभग 50 बीटीएल एमसेला इकाइयाँ स्थापित हैं। हम उत्तराखंड के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इसे स्थापित करने वाले पहले व्यक्ति हैं। चिकित्सा और सौंदर्य उपकरणों में एक वैश्विक नेता द्वारा निर्मित बीटीएल एमसेला डिवाइस, सर्जरी या दवा की आवश्यकता के बिना पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियों को उत्तेजित करने के लिए विद्युत चुम्बकीय पल्स तकनीक का उपयोग करता है। एक सत्र के दौरान, मरीज एक विशेष रूप से डिजाइन की गई कुर्सी पर बैठते हैं, जबकि केंद्रित विद्युत चुम्बकीय तरंगें सुपरमैक्सिमल मांसपेशियों के संकुचन को प्रेरित करती हैं - स्वैच्छिक व्यायाम के माध्यम से प्राप्त किए गए संकुचन से कहीं अधिक मजबूत। अस्पताल के विशेषज्ञों ने बताया कि कुर्सी पर 28 मिनट का एक सत्र 11,000 से अधिक मांसपेशियों के संकुचन पैदा करता है, जो हजारों केगेल व्यायाम करने के बराबर है। यह उपचार स्त्री रोग, मूत्रविज्ञान और सौंदर्य चिकित्सा में व्यापक रूप से लागू किया जाता है और प्रसवोत्तर महिलाओं, बुजुर्ग रोगियों और प्रोस्टेट से संबंधित प्रक्रियाओं से उबरने वाले व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से प्रभावी है। एमसेला सिस्टम की स्थापना लागत लगभग 40 लाख रुपये थी। ग्रोवर ने कहा, यह उन्नत तकनीक एक व्यापक समस्या के लिए जीवन बदलने वाला, गैर-आक्रामक समाधान प्रदान करती है। एक मानक उपचार पाठ्यक्रम में तीन सप्ताह में छह सत्र शामिल होते हैं, और कई मरीज कुछ ही सत्रों में उल्लेखनीय सुधार की रिपोर्ट करते हैं।

ब्रिटानिया के बिस्किट में मिला जिंदा कीड़ा, 1.5 लाख जुर्माना

मुंबई। प्राप्त समाचार के अनुसार ब्रिटानिया कंपनी के बिस्किट के पैकेट में जिंदा कीड़ा पाए जाने का मामला सामने आया है। इसके चलते मुंबई की एक अदालत ने कंपनी पर 1.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। उपभोक्ता अदालत ने गुड डे बिस्किट बनाने वाली ब्रिटानिया कंपनी को पीडित महिला को कानूनी कार्रवाई के तौर 25 हजार रुपये देने का आदेश दिया है। उक्त महिला ने गुड डे के पैकेट में जिंदा कीड़ा मिलने पर केस दायर किया था। मीरा रोड निवासी महिला ने 2019 में चर्चगेट स्थित केमिस्ट की दुकान से गुड डे बिस्कुट का एक पैकेट खरीदा था। महिला ने बताया कि कुछ बिस्किट खाने के बाद उसे एक बिस्किट में जिंदा कीड़ा मिला। इससे उसे मतली, उल्टी और मानसिक परेशानी होने लगी। उसने बिस्किट को सुरक्षित रख लिया और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की म्यूनिसिपल फूड लेबोरेटरी से संपर्क किया। उसने अगस्त 2019 में एक रिपोर्ट में बाहरी पदार्थ की मौजूदगी की पुष्टि की। महिला ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग से शिकायत की। आयोग ने कहा कि दूषित बिस्कुट की बिक्री उपभोक्ता विश्वास और खाद्य सुरक्षा कानूनों और उपभोक्ता संरक्षण कानूनों के तहत वैधानिक कर्तव्यों का गंभीर उल्लंघन है। आयोग ने अपने आदेश में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी पर 1.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं, महिला को हुई मानसिक पीड़ा और मुकदमे की लागत के रूप में 25,000 रुपये का भुगतान करने का भी निर्देश दिया है।

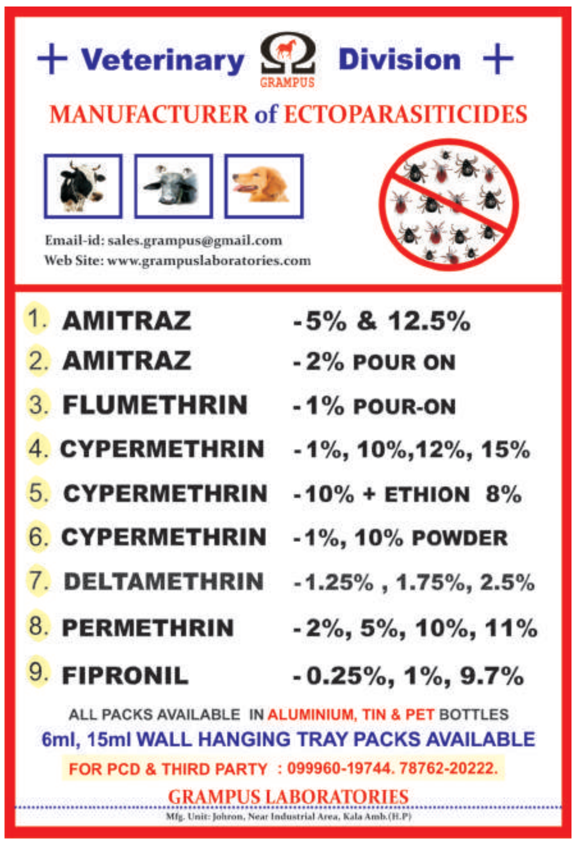

Pharma export continues its growth trajectory with USD 2,475.70 million in May 2025

Mumbai: The Pharmaceuticals Export Promotion Council of India (Pharmexcil) has reported that India's pharmaceutical export continued its growth trajectory with USD 2,475.70 million in May 2025, cumulating to USD 4,961.71 million for April-May FY26. This growth is a testament to Pharmexcil's efforts in spearheading a transformative period for India's pharmaceutical sector, moving beyond its 'Pharmacy of the World' reputation to embrace cutting-edge sustainable manufacturing, expand its global market presence, and streamline regulatory processes through digital innovation. With the Department of Commerce setting a trillion-dollar trade target for the pharmaceutical sector, Pharmexcil is poised to provide deeper insights and strategic direction to the industry, driving leadership in innovation, affordability, and excellence to meet this ambitious goal," said Namit Joshi, chairman of Pharmexcil. Pharmexcil's commitment to global collaboration is evident through various engagements across countries. iPHEX 2025, scheduled from 4 to 6 September 2025 under Bharat Health, is also set to serve as a global platform to showcase India's pharmaceutical capabilities, fostering innovation and international partnerships. India's pharmaceutical exports continue to demonstrate a steady year-over-year growth, with drug formulations and biologicals continuing to dominate the export category, Joshi explained

He further added, "We attribute this growth to rising global demand, streamlined regulatory approvals, technological innovations, strategic partnerships, and economic stability. As a nodal agency, we also strive to enhance buyer-seller communications in order to increase the ease of doing business globally. Pharmexcil continues to simplify essential processes through digital services, ensuring efficiency for industry stakeholders." Formulations and biologicals continue to hold the major share of India's total exports accounting for 75.74% during this period. The second major category by value is bulk drugs and drug intermediates. During May 2025-26 this segment expanded by 4.40%.

Vaccines were the third largest exported category, valued at USD 190.13 million, experiencing a significant 13.64% increase. Surgicals grew by 8.58%, reaching USD 124.62 million. Ayush & Herbals products saw a 7.36% growth, with a value of USD 119.89 million. NAFTA, Europe, Africa and LAC are Pharmexcil's four major regions for pharma exports. These four regions together account for 76% of total pharma exports. ASEAN (4.88%) was a newly contracted region during this period.

यूरिन से आंखें धोने का वीडियो वायरलः डॉक्टर की चेतावनी, मेडिकल सलाह सोशल मीडिया से न लें

प्राप्त समाचार के अनुसार बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक हैरान करने वाला वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में पुणे की रहने वाली एक महिला, जो खुद को 'मेडिसिन फ्री लाइफ कोच' बताती हैं, वह अपनी आंखों को अपने ही यूरिन से धोती नजर आ रही हैं। उनका दावा है कि यह प्रक्रिया आंखों के ड्राइनेस, जलन और रेडनेस जैसी समस्याओं से राहत दिलाती है। आंखें शरीर का सबसे नाजुक और सेंसिटिव अंग हैं। सोशल मीडिया पर फैले इस तरह के मिथकों के चलते कई लोग बिना सोचे-समझे एक्सपेरिमेंट करने लगते हैं, जो भविष्य में उनकी आंखों की रोशनी तक छीन सकता है। यूरिन में बैक्टीरिया, गंदगी और शरीर के अपशिष्ट पदार्थ होते हैं। ये आंखों जैसे नाजुक अंग के लिए बेहद खतरनाक हो सकते हैं। मेडिकल एक्सपर्ट्स इस तरह के सोशल मीडिया ट्रेंड को न केवल बेबुनियाद, बल्कि आंखों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक मानते हैं।

Huge consignment of fake Veet cream and Blue Heaven mascara seized

Deoria (UP): A huge consignment of fake Veet cream and Blue Heaven mascara has been seized. A large quantity of fake cosmetic products have been recovered from a shop in Rudrapur town of the district. In the raid conducted at New Kavita Store, 796 fake packs of Veet cream and 572 fake eye liners and mascaras of Blue Heaven were found.This is the caseAnkur Sharma, legal manager of Blue Heaven Cosmetics and Reckitt Benckiser India, had received information about the sale of fake products. Based on this information, he raided the shop with the police team in Rudrapur market. Mojilal, the owner of the shop located on Bus Station Road, did not have any bills or documents of the goods. This is a punishable offense under Section 63/65 of the Copyright Act 1957. The company manager has demanded legal action against the shopkeeper. Rudrapur Kotwali Inspector Shivam Tiwari and other policemen were present during the raid.

राष्ट्रपति मुर्मू उत्तर प्रदेश में एम्स-गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे

गोरखपुरः प्राप्त समाचार के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गोरखपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पहले दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी । राष्ट्रपति संस्थान के पहले स्नातक बैच के मेधावी छात्रों को पदक प्रदान करेंगी और नवोदित चिकित्सा पेशेवरों को प्रेरित करने के लिए मुख्य भाषण देंगी। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि एम्स-गोरखपुर पूर्वी उत्तर प्रदेश, पड़ोसी बिहार और यहां तक कि नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं के लिए एक स्वप्निल स्थान के रूप में उभरा है। इसमें कहा गया है कि जो कभी एक दूर की उम्मीद थी, वह अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सांसद के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान चलाए गए आंदोलन की बदौलत एक स्वास्थ्य सेवा वास्तविकता बन गई है। इसमें कहा गया है कि 22 जुलाई 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत गोरखपुर में एम्स की आधारशिला रखी थी। इसका उद्घाटन 7 दिसंबर 2021 को मोदी ने किया, जो क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवा की कहानी में एक नया अध्याय है। इसमें कहा गया है कि पिछले चार वर्षों में एम्स-गोरखपुर पूर्वी उत्तर प्रदेश के लगभग पांच करोड़ लोगों के लिए जीवन रेखा बन गया है। अस्पतालों में सबसे अधिक पढ़ा गया अपोलो हॉस्पिटल्स डिजी हेल्थ, फार्मेसी कारोबार को अलग करेगा मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज 6,838 करोड़ रुपये की बोली के साथ सह्याद्री हॉस्पिटल्स को खरीदने की दौड़ में सबसे आगे टाटा अस्पताल में भारत की सबसे अधिक विकिरण खुराक का उपयोग किया जा रहा है, जिससे बच्चों के कैंसर के उपचार की लागत में कमी आ सकती है विज्ञान-फंतासी नहीं, बल्कि स्मार्टः विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की अस्पताल क्रांति वास्तविकता में निहित है।

मई 2025 में भारत का फार्मा निर्यात 7.38% बढ़ेगा, मजबूत वैश्विक मांग से प्रेरित

नई दिल्लीः प्राप्त समाचार के अनुसार फार्मास्यूटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (फार्मेक्सिल) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का दवा निर्यात मई 2025 में 4,961.71 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 7.38 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। फार्मेक्सिल के अनुसार, यह वृद्धि इस क्षेत्र की निरंतर गति और वैश्विक स्वास्थ्य सेवा आपूर्ति श्रृंखलाओं में इसकी विस्तारित भूमिका को रेखांकित करती है।

यह संकेत दिया गया है कि फॉर्मूलेशन और बायोलॉजिकल सबसे बड़ी निर्यात श्रेणी बनी रही, जिसका कुल फार्मा निर्यात में 75.74 प्रतिशत हिस्सा था। इसके बाद बल्क ड्रग्स और ड्रग इंटरमीडिएट्स का स्थान है, जिसमें 4. 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वैक्सीन का निर्यात 13.64 प्रतिशत बढ़कर 190.13 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। नाफ्टा, यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका ने मिलकर कुल फार्मा निर्यात में 76 प्रतिशत का योगदान दिया। इस अवधि के दौरान नए अनुबंधित क्षेत्र के रूप में आसियान बाजारों का योगदान 4.88 प्रतिशत था। मई 2025 में शीर्ष पांच निर्यात गंतव्य संयुक्त राज्य अमेरिका, यूके, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और फ्रांस थे। अमेरिका को निर्यात, जो भारत के फार्मा निर्यात का 34.5 प्रतिशत है, 1.50 प्रतिशत बढ़कर 1,711.75 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। यूरोप और अफ्रीका ने भी क्रमशः 3.14 प्रतिशत और 1.71 प्रतिशत का लाभ दर्ज किया। इस विकास के आलोक में, फार्मेक्सिल के अध्यक्ष नमित जोशी ने भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता में प्रगति का स्वागत किया। परिषद ने कहा कि ये प्रगति भारत के फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में एक ट्रिलियन डॉलर के व्यापार लक्ष्य को प्राप्त करने के व्यापक लक्ष्य का समर्थन करती है, जिसमें डिजिटल नियामक सुधार, टिकाऊ विनिर्माण और विस्तारित वैश्विक साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया है। फार्मास्यूटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का दवा निर्यात मई 2025 में 4,961.71 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।

ब्रजेश कुमार गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा हरिहर प्रैस के लिए एमपी, प्रिंटर्स नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी.एन.मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग।